विवान 2

पाठ 1. सुबह

कविता का उद्देश्य

प्रतिदिन सूरज अपने निश्चित समय पर निकलता है। सूरज के निकलने से सुबह होती है अर्थात् दिन निकलता है। यह कविता 'सुबह' का सुंदर दृश्य प्रस्तुत कर रही है। इस कविता का उद्देश्य बच्चों को सूरज की भाँति प्रतिदिन समय पर उठने, निश्चित समय पर अपना काम करने तथा आलस त्यागकर मेहनत करने की सीख देना है।

कविता का सारांश

जब सूरज निकलता है तब उसकी किरणें चारों ओर बिखर जाती हैं। सूरज की किरणों के पड़ते ही कलियाँ खिल उठती हैं, पंछी चहचहाने लगते हैं। धीरे-धीरे अंधकार दूर हो जाता है और सारे जग में उजाला हो जाता है। ठंडी-ठंडी हवा खुशी से बहने लगती है। सभी लोग जागकर अपने-अपने कामों में लग जाते हैं। ताज़गी से भरी यह सुबह केवल उन्हीं को अच्छी लगती है जो आलस छोड़कर मेहनत करना जानते हैं। जो प्रातः जल्दी उठते हैं, वही इस सुहावनी बेला का आनंद ले पाते हैं, जिससे उनके जीवन में नई ऊर्जा का संचार होता है। अतः प्रातः जल्दी उठना चाहिए।

अध्यापन संकेत

कविता की एक-एक पंक्ति का लय के साथ वाचन करें। बच्चों से ध्यान से अनुकरण करने को कहें। कविता वाचन करते समय बीच में आए कठिन शब्दों के अर्थ बच्चों को बताते जाएँ। बच्चों से पूछें तथा उन्हें समझाएँ–

- वे सुबह कितने बजे उठते हैं?
- उनके घर में सबसे पहले कौन जागता है?
- क्या वे सुबह उठने में या अपना काम करने में आलस करते हैं?
- आलस नहीं करना चाहिए। आलसी व्यक्ति को कोई पसंद नहीं करता। हमें मन लगाकर अपना काम करना चाहिए।
- रात को जल्दी सोना चाहिए तथा सुबह जल्दी उठना चाहिए।
- जब सुबह वे स्कूल के लिए घर से निकलते हैं तब रास्ते में उन्हें क्या-क्या दिखाई देता है। इससे बच्चों को अपनी-अपनी तरह से बात कहने का अवसर मिलेगा और उनकी अवलोकन क्षमता का विकास भी होगा।
- कविता का भाव स्पष्ट करते जाएँ। जैसे– **'ये प्रातः की सुखबेला है, धरती का सुख अलबेला है।'**–इन पंक्तियों का भाव है–सुबह होने पर धरती के सभी प्राणियों को नया जीवन तथा नई स्फूर्ति मिलती है।

  'अगर सुबह भी अलसा जाए, तो क्या जग सुंदर हो पाए!'–इन पंक्तियों का भाव है–सोचो, यदि सुबह के समय भी हम आलस करेंगे तो क्या हमारे काम समय पर हो पाएँगे! हमारे तन-मन में स्फूर्ति का संचार होगा!

❖ इस कविता के द्वारा आलस त्यागकर मेहनत करने की सीख मिलती है।

डिजीडिस्क (DigiDisc) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।